<u>पंडित दीनदयाल उपाध्याय और वर्तमान आर्थिक प्रगति</u>
<u>(सबका साथ – सबका विकास)</u>

डॉ अरुण कुमार अग्रहरि

"एकात्म अर्थनीति" या **एकात्म अर्थशास्त्र**, प्रख्यात भारतीय विचारक और नेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित **एकात्ममानवदर्शन** के दर्शन का एक प्रमुख घटक है |वर्तमान भारत सरकार का मुख्य कार्य सूत्र सबका साथ –सबका विकास जो की भारत को लक्ष्य 2047 विकसित राष्ट्र के सपने को पूरा करना ही जिसका उद्देश्य है कि हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा दिखाये गये मार्ग पर चलें और एक विकसित एवं न्यायपूर्ण भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए मिलकर काम करें, जहाँ सबसे गरीब व्यक्ति का भी ध्यान रखा जाए । जनसंघ और उसके उत्तराधिकारी के रूप में भारतीय जनता पार्टी आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय के प्रेरणापूर्ण जीवन और दर्शन पर चलते हुए देश की राजनीति का केन्द्रबिन्दु बन गया है । “सबका साथ-सबका विकास” में सर्वांगीण पुनर्रचना के लक्ष्य का हासिल करने के लिए सबसे पहले आर्थिक असमानता, भेदभाव एवं विषमताओं को समाप्त करना उसका सबसे बड़ा लक्ष्य है। “सबका साथ-सबका विकास” में विकास के साथ-साथ समानता, स्वतंत्रता एवं गरिमापूर्ण जीवन की भावना भी है ।

एकात्म अर्थशास्त्र एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास करता है जहाँ समाज और राष्ट्र का विकास मानवीय मूल्यों और एकीकरण की भावना के अनुरूप हो, विशुद्ध भौतिकवादी पश्चिमी मॉडलों के विपरीत। यह ढाँचा भारतीय राजनीतिक और आर्थिक विमर्श को प्रभावित करता रहता है।

देश में आधारभूत संसाधनों के प्रमुख मानक- सामाजिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, आवास, पेयजल, स्वच्छता के लिए कदम उठाए है जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद दर्शन के उद्देश्यों के “**अंत्योदय** के सिद्धान्त के अनुसार गरीबों के कल्याण हेतु पूर्ण मनोयोग से कार्य करें” अनुकूल है । एकात्मक-मानववाद के रूप में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने भारत को तत्कालीन राजनीति और समाज को उस दिशा में मुड़ने की सलाह दी है जो सौ प्रतिशत भारतीय है । पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था - वे लोग जिनके सामने रोजी - रोटी का सवाल है जिन्हें न रहने के लिए मकान है, ना तन ढकने के लिए कपड़ा, उनको सुखी और सम्पन्न बनाना हमारा लक्ष्य है । उन्होंने आर्थिक लोकतंत्र का सिद्धान्त दिया उनका कहना था – “जिस प्रकार प्रत्येक व्यस्क नागरिक को मतदान का अधिकार है ठीक उसी तरह लोगों को कार्य करने को मिलना चाहिए, उनको रोटी पैदा करने की ताकत देनी चाहिए”, लोगों कोसक्षम बनाना चाहिए ताकि वे अपनी जरूरतों को पूरा कर सकें । “राजनीति उनके लिए साध्य नहीं, समाजसेवा का साधन मात्र थी ।”

वर्तमान सरकार ने देश में आर्थिक सशक्तिकरण के इन मानकों को प्राप्त करने के लिए जहाँ एक ओर आधार कानून के द्वारा व्यवस्था की पारदर्शिता को उत्तरदायी बनाया जा रहा है वहीं अनेक योजनाओं के द्वारा जैसे उज्जवला योजना, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रमों में जन सहभागिता द्वारा देश में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है । गरीब एवं वंचित वर्ग के आर्थिक समावेशन के लिए जन - धन अभियान एवं सभी वर्गों के लिए बीमा के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा की योजनाएं, अन्त्योदय की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है, सभी के लिए आवास एवं हर हाथ को काम, हर खेत को पानी के लक्ष्य को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों के अनुरूप प्राथमिकता प्रदान की जा रही है।

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित होकर केन्द्र सरकार के द्वारा **"स्किल इण्डिया मिशन"** की शुरुआत की गयी । जिसके अन्तर्गत कौशल विकास और अन्य उपायों के माध्यम से आजीविका के अवसरों में वृद्धि कर शहरी और ग्रामीण गरीबी को कम करना है । भारत सरकार ने इस योजना पर 500 करोड़ रूपये खर्च करने का लक्ष्य रखा था।

- केन्द्र सरकार ने एक कार्यक्रम **"मेक इन इण्डिया"** 25 दिसम्बर 2014 को शुरु किया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य बहुराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय कम्पनियों को भारत में अपने उत्पादकों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित करना तथा रोजगार सृजन एवं कौशल वृद्धि पर ध्यान केन्द्रित करना है । यह कार्यक्रम वैश्वीकरण के इस दौर में भारत के निर्माण और रोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होने वाला कार्यक्रम है।

- **स्टार्टअप इण्डिया** की शुरुआत 5 अप्रैल 2016 को की गयी इस योजना के अन्तर्गत नई कम्पनियों स्थापित करने हेतु दस लाख से एक करोड़ रूपये तक का ऋण देना सुनिश्चित किया गया । इस योजना के माध्यम से उस वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश की गई जो लम्बे समय से हाशिए पर था ।

- **पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना** 20 नवम्बर 2014 को प्रारम्भ की गयी । योजना के माध्यम से समुचित बिजली का प्रबन्ध कर फसलों की उत्पादकता को बढ़ाया जाना है ताकि किसान वर्षा पर निर्भर न रहें एवं फसलों के उत्पादन का उचित मूल्य उन्हें प्राप्त हो सके ।

- **पंडित दीनदयाल ग्रामोद्योग रोजगार योजना** के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती बेरोजगारी का समाधान करने, ग्रामीण शिक्षित बेरोजगार नवयुवकों का शहरों की ओर पलायन को रोकने तथा अधिक से अधिक रोजगार का अवसर गाँव में ही उपलब्ध कराना, पंडित दीनदयाल ग्रामोद्योग रोजगार योजना का मुख्य अंश है **"एक जनपद-एक उत्पाद"** योजनान्तर्गत स्थापित उद्योगों को नवीन तकनीक के साथ - साथ उनकी वित्तीय एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के निहितार्थ प्रवेश के ग्रामीण क्षेत्रों के व्यक्तिगत उद्यमियों को उत्प्रेरित करने के उद्देश्य से पंडित दीनदयाल ग्रामोद्योग रोजगार योजना की संरचना की गयी है ।

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वनियोजन योजना भारत के प्रधानमंत्री **नरेन्द्र मोदी जी** ने समय की मांग के अनुसार नई-नई योजना प्रारम्भ कीं । भारत में विभिन्न आर्थिक स्तर के लोग निवास करते हैं जिस वजह से यहां के लोगों को विभिन्न शर्तों के साथ योजनाओं की आवश्यकता पड़ती है । देश के ग्रामांचल के विकास के लिए सरकार अधिक ध्यान केन्द्रित कर रही है । पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वनियोजन योजना भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आरम्भ की गयी योजना है, जो ग्रामांचलों के लोगों को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करती है ।

- **पंडित दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना** विकलांगों / दिव्यांगों को समाज में समान स्तर के अवसर, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण करने के उद्देश्य से भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना की शुरुआत की ।

- **पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रमेव जयते योजना** भारत के आदरणीय माननीय प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी** जी ने 16 अक्टूबर 2014 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रमेव जयते कार्यक्रम का विज्ञान भवन में शुभारम्भ करते हुए कहा कि "राष्ट्र निर्माण के लिए श्रम की जरूरत है।" हमने आज तक श्रम को उचित दर्जा नहीं दिया है । हमें अब श्रमिकों के प्रति दृष्टिकोण बदलना होगा । हमारा श्रमिक श्रम योगी है और उनके अनुसार **सत्यमेव जयते** में जितनी ताकत है **श्रमेव जयते** में भी है । हमें श्रमिकों को सम्मान देने की आवश्यकता है ।

- **पंडित दीनदयाल अंत्योदय योजना** दीनदयाल अंत्योदय योजना का उद्देश्य कौशल विकास और अन्य उपायों के माध्यम से आजीविका के अवसरों में वृद्धि कर शहरी और ग्रामीण गरीबी को कम करना है । दीनदयाल अंत्योदय योजना को आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय के तहत शुरू किया गया था । भारत सरकार ने इस योजना के लिए 500 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है । यह योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का एकीकरण है । राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन को दीनदयाल अंत्योदय योजना और हिन्दी में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के नाम से भी जाना जाता है ।

- **प्रधानमंत्री वय वन्दना योजना** प्रधानमंत्री वय वंदना योजना का शुभारम्भ अनिश्चित बाजार स्थितियों के कारण 60 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धों की ब्याज आय में भविष्य में होने वाली कमी के प्रति सुरक्षा प्रदान करने के साथ - साथ उन्हें सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए किया गया था । इस योजना को भारतीय जीवन बीमा निगम के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है और यह योजना अभिदान के लिए 31 मार्च 2023 तक खुली थी ।

- **आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना,** यह योजना 12 नवम्बर 2020 को हमारे देश की वित्त मंत्री **निर्मला सीतारमण जी** के द्वारा आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना का आरम्भ किया गया है । इस योजना को कोविड -19 काल से उभर रहे भारत में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए आरंभ किया गया है । आत्मनिर्भर भारत रोजगार के अंतर्गत सरकार द्वारा उन सभी प्रतिष्ठानों को सब्सिडी प्रदान की जाएगी जो नई भर्तियां करेंगे । इस योजना का मुख्य उद्देश्य नए रोजगार को प्रोत्साहन देना है । आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के माध्यम से देश में रोजगार बढ़ेंगे ।

- **ऑपरेशन ग्रीन योजना**, भारत सरकार द्वारा कोरोना काल के चलते ऑपरेशन ग्रीन योजना के दायरे को बढ़ाया गया । आत्मनिर्भर भारत अभियान के अन्तर्गत केन्द्र सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा ऑपरेशन ग्रीन योजना को संचालित किया गया था इस योजना के अन्तर्गत फल और सब्जियों का उचित मूल्य सरकार द्वारा प्रदान किया गया था । इस योजना के लिए सरकार ने 500 करोड़ का बजट निर्धारित किया था।

- **मत्स्य सम्पदा योजना,** सरकार द्वारा सन् 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था । इसी बात को ध्यान में रखते हुए सरकार ने मत्स्य सम्पदा योजना का आरम्भ किया है । मत्स्य सम्पदा योजना का उद्देश्य सरकार द्वारा मत्स्य पालन क्षेत्र का निर्यात बढ़ाना है । इस योजना के माध्यम से मत्स्य पालन तथा डेरी से जुड़े किसानों की आय को बढ़ाने का प्रयास किया । मत्स्य सम्पदा योजना के लिए

सरकार ने 20,000 करोड़ रूपये का बजट निर्धारित किया था । इस योजना के अन्तर्गत समुद्र तथा तालाब में मछली पालन पर भी जोर दिया।

- **आयुष्मान भारत योजना,** इस योजना के अन्तर्गत सरकार देश के नागरिकों को अच्छे स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराना चाहती है तथा योजना के कार्य के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं । **प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना** के अन्तर्गत केन्द्र सरकार प्रत्येक लाभार्थी परिवार को 5,00,000 रूपये तक का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराती है तथा उनको इस लायक बनाती है कि वह अस्पतालों में गंभीर बीमारियों का इलाज निःशुल्क करा सकें।

- **अंत्योदय अन्न योजना,** अंत्योदय अन्न योजना की शुरूआत केन्द्र सरकार द्वारा देश के गरीब परिवारों को लाभ पहुंचाने के लिए की गयी है । इस योजना के अन्तर्गत अंत्योदय राशन कार्ड धारकों को सरकार द्वारा प्रतिमाह 35 किलो राशन प्रदान किया गया । केन्द्र सरकार ने इस योजना के अन्तर्गत एक और फैसला लिया है कि देश के गरीब परिवारों के साथ-साथ दिव्यांगों को भी इस योजना के अन्तर्गत हर महीने 35 किलो अनाज (गेहूँ) 2 रूपये प्रति किलोग्राम और धान (चावल) 3 रूपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से प्रति परिवार को दिया जाएगा । अंत्योदय अन्न योजना मुख्य रूप से गरीबों के लिए आरक्षित है, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब परिवारों को इस योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा । केन्द्रीय मंत्री **रामविलास पासवान** जी का कहना था कि "अंत्योदय अन्न योजना राशन कार्ड और प्राथमिकता वाले परिवार कि राशन कार्ड के अन्तर्गत कौन लाभार्थी होंगे, इसकी जवाबदेही राज्य सरकार के पास है।"

- **प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, "स्वच्छ ईंधन - बेहतर जीवन"** के नारे के साथ केन्द्र सरकार ने 1 मई 2016 को माननीय प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी जी** के नेतृत्व में एक सामाजिक कल्याण योजना **"प्रधानमंत्री उज्जवला योजना**" की शुरुआत की है। यह योजना एक धुआँ रहित ग्रामीण भारत की परिकल्पना करती है और वर्ष 2019 तक 5 करोड़ परिवारों, विशेषकर गरीबी रेखा से नीचे रह रही महिलाओं को रियायती एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखती है । योजना से एलपीजी के उपयोग में वृद्धि होगी और स्वास्थ्य संबंधी विकार, वायु प्रदूषण एवं वनों की कटाई को कम करने में मदद मिलेगी ।

- **प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना,** देशवासियों की समस्याओं को समझते हुए केन्द्र सरकार योजनाओं को बनाती है और उन तक लाभ पहुँचाने के लिए हर संभव प्रयास करती है देश में आज भी बहुत से ऐसे परिवार हैं जहां तक बिजली नहीं पहुंच पाई है ऐसे घरों को रोशन करने के लिए देश के प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी जी** के द्वारा इस योजना की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के मौके पर 25 सितम्बर 2017 को की गयी थी । देश के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में निवास कर रहे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों के लिए इस योजना को तैयार किया गया । जिन परिवारों का नाम वर्ष 2011 की सामाजिक - आर्थिक जनगणना में शामिल है, उन्हें इस योजना के माध्यम से मुफ्त बिजली कनेक्शन प्रदान किया जाएगा ।

- **उजाला योजना**, भारत सरकार के तहत 1 मई 2015 को **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी** के द्वारा उजाला योजना शुरू की गयी थी । उजाला योजना की स्थापना बचत लैंप योजना के स्थान पर की गई जो भारत

सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड की केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय और बिजली वितरण कम्पनी के तहत एक संयुक्त पहल है । उजाला योजना एलईडी लाईट के वितरण पर केन्द्रित है क्योंकि प्रकाश उत्सर्जक डायोड किसी भी साधारण लाइट की तुलना में ऊर्जा का केवल दसवां हिस्सा खपत करके बेहतर प्रकाश उत्पाद प्रदान करते हैं । इस योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को 20 वाट की एलईडी लाइट वितरित करना भी है जो नियमित 40 वाट की एलईडी लाइटों की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक ऊर्जा कुशल है।

इंटीग्रल इकोनॉमिक्स पश्चिमी पूंजीवाद और साम्यवाद/समाजवाद दोनों के लिए एक विकल्प प्रस्तुत करता है, जिसकी उपाध्याय जी ने केवल भौतिक या आर्थिक मनुष्य (व्यक्तिगत या सामूहिक) पर ध्यान केंद्रित करने और मानव की समग्र आवश्यकताओं की उपेक्षा करने के लिए आलोचना की थी।

प्रमुख पहलुओं में शामिल हैं:

- **समग्र दृष्टिकोण**: इसका केंद्रीय सिद्धांत "संपूर्ण मानव" या "संपूर्ण मनुष्य" की अवधारणा है, जिसका लक्ष्य शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा की एक साथ, एकीकृत प्रगति है। आर्थिक गतिविधि मानवीय क्रिया का एकमात्र प्रेरक नहीं होनी चाहिए।

- **स्वदेशी (आत्मनिर्भरता)**: उपाध्याय ने एक मजबूत, जीवंत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु भारत के अपने सांस्कृतिक, सभ्यतागत और राष्ट्रवादी मूल्यों पर आधारित स्वदेशी रूप से विकसित आर्थिक नीतियों की वकालत की। आधुनिक "आत्मनिर्भर भारत" पहल भी इसी तरह के उद्देश्यों को प्रतिबिम्बित करती है।

- **संतुलित धन वितरण**: यह दर्शन इस बात पर ज़ोर देता है कि संसाधनों का न तो अत्यधिक संचय होना चाहिए और न ही अभाव। अत्यधिक धन लोगों को धर्म*के मार्ग से विमुख कर सकता है*, जबकि अभाव दुख का कारण बनता है; एक न्यायपूर्ण समाज के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है।

- **विकेंद्रीकरण**: यह सत्ता के संकेंद्रण (कुछ पूंजीपतियों के हाथों में आर्थिक शक्ति और समाजवाद के तहत सरकार के हाथों में राज्य शक्ति) की आलोचना करता है, तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता और नैतिक मूल्यों की रक्षा करने वाली विकेंद्रीकृत संरचनाओं की वकालत करता है।

- **अंत्योदय**: इस दर्शन से निकला एक प्रमुख कार्यक्रम *अंत्योदय*है , जिसका अर्थ है "अंतिम व्यक्ति का उत्थान" या समाज के सबसे कमजोर और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के कल्याण पर सबसे पहले ध्यान केंद्रित करना।

- **उत्पादन के सात एम**: उपाध्याय ने उत्पादन प्रणाली के आवश्यक तत्वों के रूप में "सात एम" (मानव, सामग्री, धन, प्रबंधन, प्रेरक शक्ति, बाजार और मशीन) को रेखांकित किया, और इस बात पर बल दिया कि मानवीय तत्व और नैतिकता इस प्रक्रिया के केंद्र में होनी चाहिए।

निष्कर्षः-

दीनदयाल उपाध्याय का चिंतन शाश्वतधारा से जुड़ता है । इसके आधार पर वह राष्ट्रभाव को समझने का प्रयास करते हैं । समस्याओं पर विचार करते हुए, उनका समाधान निकालते हैं । यह तथ्य ही भारत के अनुकूल प्रमाणित होता है । ऐसे में पहली बात यह समझनी होगी कि अन्य विचारों की भाँति पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कोई बाद नहीं बनाया । एकात्म मानव, अंत्योदय जैसे विचार वाद की श्रेणी में नहीं आते बल्कि इसे एक दर्शन माना गया है । यहां जॉन बुकन का कथन स्पष्ट सिद्ध होता है कि "हम भूत के ऋण से मुक्त हो सकते हैं, यदि हम भविष्य को अपना ऋणी बनाएं।"

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का ध्येय वाक्य **"चरैवेति - चरैवेति"** था जो राजनीति में लगातार देश हित में काम करने का प्रेरणादायी आह्वान था जो देश हित की इच्छा में देशभक्ति के संकल्प के साथ समाज को एकात्मकता के भाव के साथ जोडकर लगातार काम करने को प्रेरित करता है, उनका कहना था कि "जीवन में विविधता और बहुलता है लेकिन हमने हमेशा इनके पीछे छिपी एकता को खोजने का प्रयास किया है ।" पंडित दीनदयाल जी के अनुसार भारतीय आदर्श **"वसुधैव कुटुम्बकम"** राष्ट्रीय के साथ विश्वबन्धुत्व का भाव है । वर्तमान सरकार इसी एकता को **"सबका साथ-सबका विकास"** के साथ चलकर सम्भव बनाने का प्रयास कर रही है । पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी अंत्योदय की बात करते थे उनके मन में कतार में खड़े अन्तिम व्यक्ति अर्थात समाज के सबसे निचले वर्ग तक खुशहाली और समृद्धि का प्रकाश पहुँचाने की चिन्ता का ही प्रतिफल है कि वर्तमान में जब केन्द्र में उसी दल की सरकार है जिसकी नींव की पहली ईंट रखने में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का योगदान था । इस स्थिति में उनके विचारों का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है । योजनाओं के माध्यम से सरकार ने अन्तिम व्यक्ति को सक्षम एवं स्वावलम्बी बनाने की दिशा में कार्य को आगे बढ़ाया है ।

आज अगर केन्द्र सरकार की विकास यात्रा के केन्द्र में **"सबका साथ सबका विकास"** की मूल भावना नजर आती है तो प्रेरणा स्त्रोत के रूप में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार ही दिखाई पड़ते हैं । उनका मानना था कि जब तक व्यक्ति आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होगा वह राजनीतिक रूप से स्वतंत्र नहीं हो सकता । वर्तमान सरकार प्रत्येक व्यक्ति को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिन प्रयासों पर सतत् काम कर रही है वह कार्य इन्हीं विचारों से ओत-प्रोत नजर आते हैं । पंडित जी ने अपने चिन्तन में प्रत्येक व्यक्ति से जुड़ी जिन चिन्ताओं और समाधानों को समझाने का प्रयास दशकों पहले किया था आज भारत सरकार द्वारा उन्हीं विचारों को केन्द्र में रखकर नीतियों का निर्माण किया जा रहा है ।

सन्दर्भ सूची

1. डॉ० मनोज कुमार सक्सेना, "पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानव दर्शन विविध आयाम, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, संस्करण-2018

2. शरद सिंह, राष्ट्रवादी व्यक्तित्व दीनदयाल उपाध्याय, सामयिक बुक्स, नई दिल्ली, संस्करण-2015

3. डॉ० महेशचन्द्र शर्मा, "पं० दीनदयाल उपाध्याय कर्तव्य एवं विचार, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2017

4. कौशल किशोर मिश्र, "पं० दीनदयाल उपाध्याय का सांस्कृतिक चिन्तन, के०के० पब्लिकेशन, दिल्ली, संस्करण-2021

5. डॉ0 महेशचंद्र शर्मा, पं0 नारायण उपाध्याय संपूर्ण वाङमय, प्रथम प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2016

6. डॉ0 महेशचंद्र शर्मा, 'पं0 डॉ0 उपाध्याय कर्तव्य एवं विचार प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2017

सहायक प्रोफेसर
साईं बाबा कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन

मुजफ्फरपुर बिहार